अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 18.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–80

प्र. 1 किन्हीं सत्तरह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 17

(कोई तेरह प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) संकवाली के अधिनायक सहायदेव सूर्यदेवजी को प्रतिबोध देकर कब व किसने जैन बनाया?

(ख) स्वामीजी! आप आगमों का अध्ययन पूरी अनुप्रेक्षा से करना। यह कथन किसने व कहां कहे?

(ग) आचार्य भिक्षु का अन्तिम चातुर्मास कहां था? और उस चातुर्मास में आपने अपने शिष्यों को किस सूत्र का अर्थ लिख-लिख कर समझाया?

(घ) आचार्य भिक्षु के साहित्य का मूल आधार क्या था?

(ङ) आचार्य भिक्षु की अन्तिम मेवाड़ यात्रा का कालमान कितना है? और उस समय आपने क्रमशः कहां-कहां चातुर्मास किए?

(च) आनन्द श्रावक के अभिग्रह का वर्णन किस सूत्र में वर्णित है?

(छ) आचार्य भिक्षु ने अविनीत की अंतरंगता को किससे उपमित किया है?

(ज) आचार्य भिक्षु द्वारा लिखित व युवाचार्य भारमल जी द्वारा लिपि की हुई किसी एक रचना के नाम लिखें, जिसका रचनाकाल और लिपिकाल एक ही है।

(झ) आचार्य भिक्षु द्वारा लिखित इतिहास ग्रन्थ कितने व कौन-कौन से हैं?

(ञ) ''कयरे मग्गे मक्खाया'' शास्त्र के इस वाक्य का अर्थ क्या है?

(ट) किसी शंकाशील श्रावक को स्वामीजी ने सामायिक करने के लिए कहा, तब उसने सामायिक में दोष लगने की बात कही तब स्वामीजी ने उसको क्या करने की प्रेरणा दी?

(ठ) आप धर्म कहे, तो मैं पच्चीस मन गेहूं इन ब्राह्मणों को खिला दूंगा। आप आज्ञा दें तो उनकी घूघरी बनाकर खिला दूंगा। यह कथन किसने किससे कहे?

(ड) जयाचार्य की संसारपक्षीय भुआ का नाम क्या था? तथा घी सहित घाट ली घटना कहां घटित हुई?

(ढ) तेरापंथ धर्मसंघ में नवम साधु कौन व कब दीक्षित हुए?

(ण) कबीर आदि संतों के मूर्तिपूजा विरोध का क्या कारण था?

आचार्य भारमल जी (कोई चार प्रश्नों का उत्तर दें)–

(त) आचार्य भारमल जी के शासन काल में कितने साधु-साध्वियां दीक्षित हुए?

(थ) आचार्य भारमल जी ने सर्वाधिक चातुर्मास कहां-कहां व कितने किए?

(द) आचार्य भारमल जी ने मुनि रायचन्द जी द्वारा प्रारम्भ किए, 'दशाश्रुत स्कंध' को कब व कहां पूरा किया?

(ध) आचार्य भारमल जी ने संघ की भावी व्यवस्था का कार्य कब व कहां पूर्ण किया?

(न) मुनि भारमल जी चेचक ग्रस्त कब व कहां हुए?

प्र. 2 किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य भिक्षु (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) कुशलोजी ने आचार्य भिक्षु से कहा–कौन कर रहा है गोचरी हम तो धोवन-पानी की गवेषणा कर रहे हैं। तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ख) आचार्य टोडरमल ने धीरोजी पोकरणा से कहा–भीखण जी छोटे-छोटे दोषों में साधुत्व का भंग मानते हैं यह उचित नहीं है। मब धीरोजी पोकरणा ने आचार्य भिक्षु और उनमें भेद बताते हुए क्या कहा?

(ग) थोकड़ा किसे कहते हैं? स्वामीजी द्वारा निर्मित थोकड़ों के नाम लिखें।

(घ) स्वामीजी सहित यह 'सप्तर्षि-मण्डल' सिरियारी के भाग्य आकाश में अनुपम ज्योति लिए हुए आया। सप्तर्षि मण्डल के सदस्यों के नाम लिखें।

(ङ) आचार्य भिक्षु ने मुनि चन्द्रभाण जी और तिलोकचन्द जी को कहां व किन शर्तों के आधार पर पुनः संघ में लिया?

आचार्य भारमल जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(च) तेरापंथ धर्म संघ में जो व्यवस्था निर्णित हुई उसके मुख्य बिन्दु कौन-कौन से हैं? लिखें।

(छ) केशर जी भंडारी ने उदयपुर महाराणा को तेरापंथ की दान-दया के सिद्धान्त को प्रकट करते हुए क्या कहा?

(ज) किशनोजी की तीव्र प्रतिक्रिया और असम्मान जनक शब्दों को सुनकर आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

आचार्य श्री भिक्षु

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) आचार्य भिक्षु की अन्तिम शिक्षाओं का उल्लेख करें।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु ने अपना सारा जीवन सत्य की आराधना के लिए समर्पित कर दिया था।

(ग) आचार्य भिक्षु द्वारा रचित 'नव पदार्थ' नामक ग्रन्थ पर प्रकाश डालें

प्र. 4 सिद्ध करें कि सन्त भीखणजी की 1808 की दीक्षा वास्तव में उनकी भाव दीक्षा की एक अज्ञात तैयारी थी। 15

अथवा

आचार्य भिक्षु द्वारा रचित आचार की चौपाई, अनुकंपा की चौपाई और विनीत अविनीत की चौपाई का विवेचन करें।

प्र. 5 'कंखे गुणे भाव शरीर भेउ' आचार्य भारमल जी ने इस आगम वाणी को किस प्रकार चरितार्थ किया लिखें। 6

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य भारमल जी 'अनुशासन प्रिय' धर्माचार्य थे।

प्र. 6 आचार्य भारमल के जयपुर, किशनगढ़ व सवाई माधोपुर यात्रा का सप्रसंग वर्णन करें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि मुनि भारमल जी एक आदर्श शिष्य के रूप में स्वामीजी को प्राप्त हुए थे।

तेरापंथ प्रबोध–20

प्र. 7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 8

(क) तेरा मां स्यूं.....विस्तार हो।।

(ख) करां हाट.....आचार हो।।

(ग) दोरी लागी.....संस्कार हो।।

(घ) सोच्यो.....आखिरकार हो।।

प्र. 8 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें– 12

(क) ''होनहार विरूवान चीकणा-पात'' वाला पद्य।

(ख) ''ज्योतिर्मय चिन्मय दीप हरै'' गीत वाला पद्य।

(ग) ''घणां सुहावो माता दीपांजी रा जाया!'' गीत वाला पद्य।

(घ) ''रूं रूं में सांवरियो बसियो'' गीत वाला पद्य।